भारत सरकार
रक्षा मंत्रालय
सैन्य कार्य विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 455
03 फरवरी, 2021 को उत्तर के लिए

सेना के परिधान और रक्षा क्षेत्र में एफडीआई

455. श्री राजन बाबूराव विचारे:

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार द्वारा 2019-20 के दौरान सैनिकों की वर्दी, जूते और बुलेट-प्रूफ जैकेटों की खरीद पर कितना व्यय किया गया;

(ख) क्या युद्ध की किसी संभावित स्थिति में देश में पर्याप्त मात्रा में गोला-बारूद का भंडार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार की रक्षा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की कोई योजना है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ड.) क्या सरकार की भारत-पाकिस्तान सीमा पर बाड़ लगाने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री श्रीपाद नाईक)

(क): सरकार द्वारा वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान सैनिकों के लिए वर्दी और बूटों की खरीद पर 611.69 करोड़ रुपए व्यय किए गए थे। वित्त वर्ष 2019-20 में बुलेट प्रूफ जैकेटों से संबंधित कोई खरीद नहीं की गई है।

(ख): गोला बारूद का प्राधिकार और उसे रखना भारतीय सेना की संक्रियात्मक आवश्यकता के अनुसार होता है। सेना के पास गोला बारूद का पर्याप्त स्टॉक है और किन्हीं संक्रियात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यह पूरी तरह सुसज्जित है।

(ग) और (घ): नीति और उद्योग एवं आंतरिक व्यापार विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जहां तक इसके आधुनिक प्रौद्योगिकी तक पहुंच या रिकॉर्ड किए जाने वाले अन्य कारणों की संभावना है, रक्षा क्षेत्र में ऑटोमेटिक रूट के अंतर्गत 74% तक और सरकारी रूट के जरिए 74% से अधिक एफडीआई की अनुमति दी है।

(ड.): भारत-पाकिस्तान सीमा पर बाड़ नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा दोनों पर है।

****